


पृष्ठ सं.
 सा. 1/2
 22-11-2019
 मयदरवा
 विलेसादखल
 राजाक रवा
 अमीन खा
 इस्माइल वषा

को सुनवाई लोक अदालत की
 अधीन से की गई सुनाने के
 उपरान्त प्राप्ति पर को स्वीकार
 करण उचित समझते हैं।

कतः प्राप्ति द्वारा प्राप्ति
 प्राप्ति अन्तर्गत दस्ता 177 R.N.
 रिफ को स्वीकार किया जात है
 तथा वृहत्सीलदार भावारागमम को
 निर्देश दिए जाते हैं कि गण
 भागीपुत्र वृहत्सील भावारागमम (प्राप्ति)
 के खण्ड 219 खण्ड 1-10 है कि
 में से पश्चिमी दिशा की कोर
 उत्तर से दक्षिण 8 फिट चौड़ाई
 अनुसार तथा खण्ड 217 खण्ड
 1-19 में से पूर्व दिशा की कोर
 उत्तर से दक्षिण 8 फुट चौड़ाई
 अनुसार (खण्ड 217 के उत्तरी पूर्वी
 कोर तक) एवं उसके बाद 16 फिट
 चौड़ाई अनुसार खण्ड 195 तक
 राज्य दिन के वास्तु दर्ज करण के
 निर्देश दिए जाते हैं तदनुसार
 वृहत्सीलदार भावारागमम राजाक
 रिफाई में कगल करे।

पत्रावली के बाल धुआल होकर
 तमर से काठ हो कर उर्वर
 वाली खेत को निर्देश मातक काठ
 में खुले काठ सुगाण गण


 उपसद अधिकारी
 जयपुर